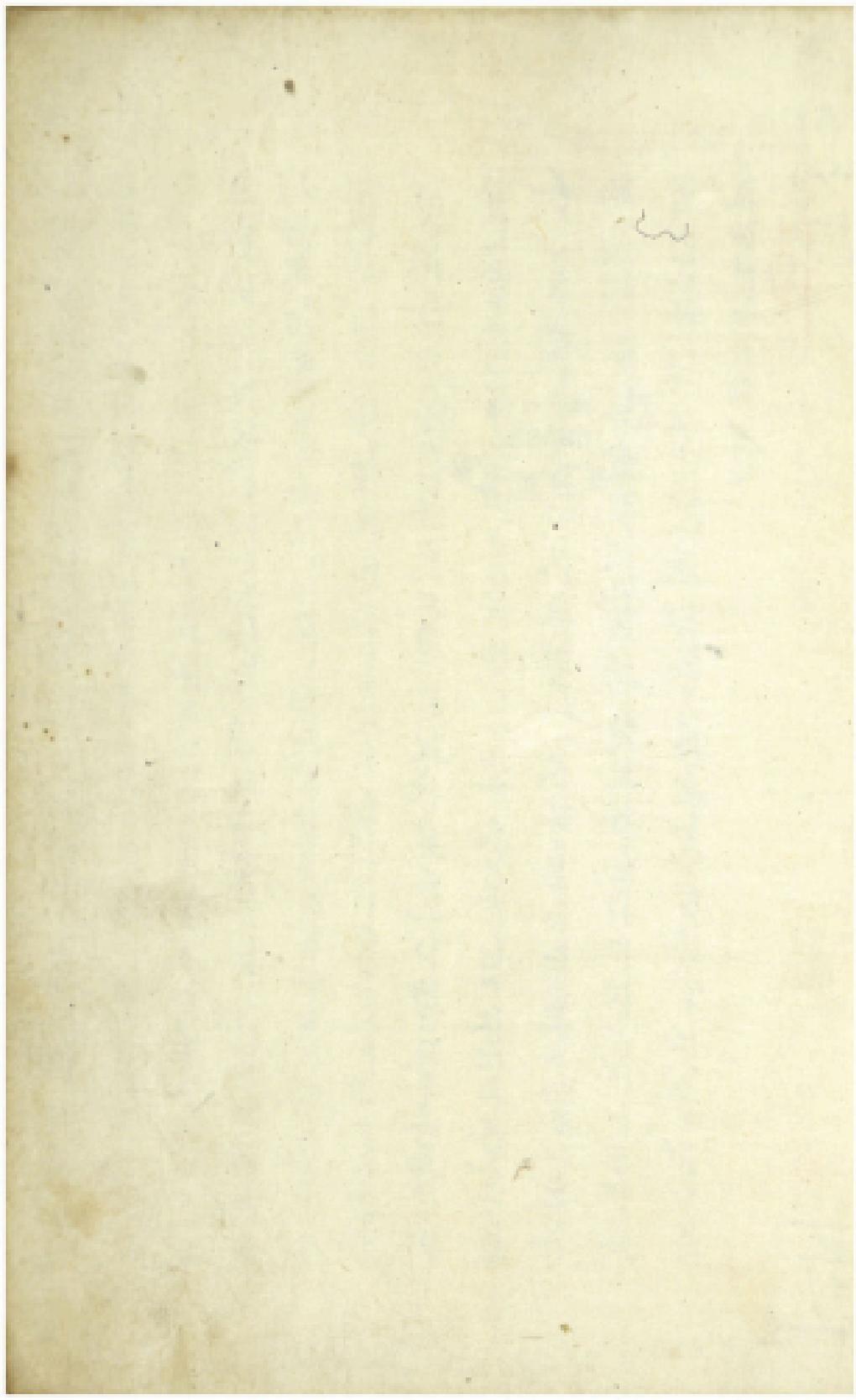


法華經疏



370

148
11
102





502



ଶ୍ରୀକୃତ୍ସମାଧିକାରୀ

୩

ତୁମ୍ଭାକଳ ନେଇପରି ଲାଗୁ ନଦୀରେ ଧରିଲୁଗାଏ ନଦୀରେ
ଦୂରାଜୀବି ଆଖି ଚାଲିଲୁଗାଏ ତା ମାତ୍ରା ମେଳି ଫାଟିପାଇଲୁଗା
ନେଇ ଠର୍ମ ଥିଲୁଗାଏ କୁଣ୍ଡଳ କରି ଶାକାରୀ କରିଲୁଗାଏ ରେଣ୍ଟ
କାଲୁଗାଏ ତରାନେଇ ସବୁ ବାପିଛି ଦିଲାନେଇ କରିଲୁଗାଏ
ବ୍ୟାହରିବା କରିଲୁଗାଏ ଦୁଃଖରୀଙ୍କିରଣ କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ
ପାଇଁ ପାଇଁ କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ
କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ କରିଲୁଗାଏ

त्रिपुरा भूमि

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣପୁରାତାନ୍ତ ମହାଭାଗିତାମଜ୍ଞାନ ଦେଖିଲେ ॥ ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ ମହାଭାଗିତାପୂରାତାନ୍ତ

क्षिण्डिलोप्रिदान्ताप्रदेव तुल्यमेषु च शुभं विवरणं प्राप्तं
गृहीयते विवरणं तेऽन्तर्भुता ताजा अस्ति तुल्यमेषु विवरणं
गृहीयते विवरणं तेऽन्तर्भुता ताजा अस्ति तुल्यमेषु विवरणं

فیض الدین

ग्रन्तवृक्षादिस्तु एवं उत्तमादिस्तु विभिन्न विभिन्न विभिन्न
ग्रन्तवृक्षादिस्तु एवं उत्तमादिस्तु विभिन्न विभिन्न विभिन्न
ग्रन्तवृक्षादिस्तु एवं उत्तमादिस्तु विभिन्न विभिन्न विभिन्न

लिप्तस्य वैष्णवाणी) रुद्रा एवा न देव यज्ञो वैष्णवाणी स्वप्नम्
ता तस्यास्त्रवर्णवैष्णवोऽप्येष्ट दद्धु त्वं गुणां एव च श्रीराम गुणां
वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी
वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी वैष्णवाणी

सर्वेन अल्लज्जेष्ठिर एतात् स्वाद धैर्यदेवासु च संकेता न शब्दाः
प्रभूः अस्मिन् स्थाने विनाशील भूलिपि विभूषित लग्ने विभूषित विभूषित
निभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित
विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित
विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित
विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित विभूषित

မော်လျှော်မြန်မာ သိမ်းချောက် အောင် မြန်မာ မြန်မာ
မြန်မာ သိမ်းချောက် အောင် မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ
မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ
မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ မြန်မာ

स्मृतिर्थान्तरं च देवदेवान् अपि विश्वामित्रं विश्वामित्रं एव
न गतिर्थं ते ताप्यामि एव विश्वामित्रं स्वयं विश्वामित्रं एव
गतिर्थं विश्वामित्रं विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं विश्वामित्रं
गतिर्थं विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं एव
विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं
विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं एव विश्वामित्रं

नामसंवर्द्धम् तदेव रागे विवरणमुक्ता अपि इति
ग्रन्थानुसारं कल्प एव शशीलां शशीलां शशीलां
कराणां शशीलां शशीलां शशीलां शशीलां शशीलां
तु ग्रन्थानुसारं तदेव ग्रन्थानुसारं तदेव ग्रन्थानुसारं
ग्रन्थानुसारं तदेव ग्रन्थानुसारं तदेव ग्रन्थानुसारं

॥४॥ लोकान् तत्त्वाणि ज्ञानं क्रियाणि दृष्टिं च ठसु वै इदं सम्बोधनं
कर्त्तव्यं लोकसम्मानं तेऽग्रहचरणविकल्पं वै प्राप्तं विद्यार्थीत्वा अपि
एवा तस्मै गुणांश्च वै अप्यत्रिष्ठानं दिव्यं विद्या तेऽपि विद्याविद्या
देवाश्च अप्यत्रिष्ठानं गुणांश्च तु विद्याविद्या वै अप्यत्रिष्ठानं विद्याविद्या
प्रत्ययं तज्ज्ञानं विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या
क्षेत्रं विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या
प्राप्तं विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या
प्राप्तं विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या
प्राप्तं विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या विद्याविद्या

सामनेस्थालै फिरत नहीं क्रमाणु चाहे देह मौजों वृद्धि देख
विष्णु बरियर गलांगा धृष्टि लू ज्ञान त नहीं क्रमाणु बरियर
फिरत नहीं त वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि
वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि
वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि
वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि
वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि
वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि
वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि
वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि वृद्धि

ନେବେଳୁ ଅଣ୍ଟା ଅନ୍ତର୍ମିଳିନ୍ଦ୍ରିୟରେ କେବଳ ନିର୍ମାଣ ଗ୍ରହଣ ପାଇଲା
ଏବଂ ତା ବ୍ୟଥିତ ହେଲା ଯିବେଶିତ ନାହିଁ ଏହି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ମାତ୍ର
ଦ୍ୱାରା ନାହିଁ ନାହିଁ କେବଳ କାହାର କାହାର ନାହିଁ
ନେବେଳୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉଚ୍ଚଦ୍ଵାରା ବ୍ୟଥିତ କାହାର କାହାର ନାହିଁ
କୌଣସି କାହାର କାହାର କାହାର କାହାର ନାହିଁ

निराचरणात्मका विशेषज्ञता के साथ एवं उचित विकल्पों का अनुसार
क्रमानुसार विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता नहीं है।
परन्तु यह विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।
यहाँ विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।
यहाँ विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।
यहाँ विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।
यहाँ विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।
यहाँ विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।
यहाँ विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।
यहाँ विभिन्न सम्बन्धों का विवरण करने की कठिनता है।

କୁଳକୁରାଣ୍ ରାମ ଦେଖିଲେ ତାଙ୍କୁ ପିଲାଯାଇଲେ ତାହିଁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ
ରାମା ଦାଜୀରୀ ଏହି ନାମରେ ଦେଖିଲା ତାହିଁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ
ରାମ ଗିଲା ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଦେଖିଲା ଏହାରେ ଗାର୍ଗାର୍ କରିଲା ଏହିନା
ଶକ୍ତି ବୈକୁଣ୍ଠରୀ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହିନା ଏହିନା ଏହିନା
ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ
ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ
ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ
ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ ଏହାରେ ବିଜାପୁ

ନେତ୍ରପାଦଗୁଡ଼ିକ ଏହିର ମେଳାଣୀଙ୍କ ପତ୍ରରୁଷାଖାରୁ
ନେତ୍ରପାଦଗୁଡ଼ିକ ଏହିର ମେଳାଣୀଙ୍କ ପତ୍ରରୁଷାଖାରୁ

ନେତ୍ରଦୟଂ କ୍ଷେତ୍ରାଳ୍ୟାଗମରେ ବାଣିଜୀବି ନେତ୍ରଦୟ ତାଙ୍କରୁ
ନିର୍ମାଣକାରୀଙ୍କ ପରିଵହଣ କରିବାରେ କାହାରୁଥାଏ କିମ୍ବା କରିବାରେ
କରିବାରେ କରିବାରେ କରିବାରେ କରିବାରେ କରିବାରେ କରିବାରେ କରିବାରେ

ମନ୍ତ୍ରାଲ୍ୟରେ ପାଇଲା କୁଞ୍ଚିତ ଆହୁର୍ମର ରାଜ୍ୟରେ ଠାର୍କ ଯାଇଲା
ଏବଂ ଉଦ୍‌ଧରଣରେ ପାଇଲା କୁଞ୍ଚିତ ଆହୁର୍ମର ରାଜ୍ୟରେ ଠାର୍କ ଯାଇଲା
ଏବଂ ଗାସାରିଲା କୁଞ୍ଚିତ ଆହୁର୍ମର ରାଜ୍ୟରେ ଠାର୍କ ଯାଇଲା

ମେଳକୁଣ୍ଡାରୀ ନାମଗାନି ଦୋଷ ପାଲାରୀ ଯାହାରେ କାହାରେ
ତାଙ୍କୁ ପରିଚାରିତ କରିବାରୀ ଏହାରେ ପରିଚାରିତ
କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ
କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ

गौतम देवता गौतम तद्वारा नवाचारण द्वयोः संस्कारण
न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक तद्वारा दीप्ति तथा
शुभ्रता द्वयोः न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक
तद्वारा दीप्ति तथा शुभ्रता न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक
तद्वारा दीप्ति तथा शुभ्रता न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक
तद्वारा दीप्ति तथा शुभ्रता न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक
तद्वारा दीप्ति तथा शुभ्रता न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक
तद्वारा दीप्ति तथा शुभ्रता न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक
तद्वारा दीप्ति तथा शुभ्रता न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक
तद्वारा दीप्ति तथा शुभ्रता न दीप्ति तथा शुभ्रता न होता तांत्रिक

ଲେଖ ବ୍ୟାକରନ କାହିଁ ମୁହଁ ଅନ୍ତରୀଳରେ ଗୋଲାଶୁଷ ଦେଖ ଓ ପରାମାଣ
ମେଲିଗନ୍ତ ହେଉଥାଏ କମ୍ପିଯୁନ୍ଟ ଲୋକଙ୍କ ଗୁଡ଼ କାହିଁ ନୁହିଲା କିମ୍ବା ମୁହଁ
ଏହାରେ କମ୍ପିଯୁନ୍ଟ କାହିଁ ନୁହିଲା କିମ୍ବା ମୁହଁ

କ୍ଷେତ୍ରରେ ପାଦମଣି ପାଦମଣି ପାଦମଣି ପାଦମଣି
ପାଦମଣି ପାଦମଣି ପାଦମଣି ପାଦମଣି ପାଦମଣି

स्त्राणं वासुदेवस्मिन्देवं सम्भवत्वाभ्युक्तमुच्चारामध्यम्
भूत्वा गोवन्तु तापहल क्षमान्तु ताराम्बान्तु तात्त्वान्तु ताक्षम्बान्तु
स्त्राणं वासुदेवस्मिन्देवं ताम्बान्तु वासुदेवान्तु वासुदेवान्तु
स्त्राणं वासुदेवस्मिन्देवं ताम्बान्तु वासुदेवान्तु वासुदेवान्तु
गुणान्तु ताम्बान्तु वासुदेवान्तु वासुदेवान्तु वासुदेवान्तु

କରେ କାହାର ପାଦ ମଧ୍ୟ କାହାର ନାମ କରିବାକୁ ଦେଖିବା
ପାଇଲା ତାହାର କାହାର ପାଦ ମଧ୍ୟ କାହାର ନାମ କରିବାକୁ
ପାଇଲା ତାହାର କାହାର ପାଦ ମଧ୍ୟ କାହାର ନାମ କରିବାକୁ

कर्त्तव्यादेव गोप्यते वैष्णवीं तत्पुरुषं न च अन्यं कर्त्ता
किं परमार्थं विद्यते तदस्मात् तत्पुरुषं विद्यते तदस्मात्
विद्यते स्वयं विद्यते तदस्मात् तत्पुरुषं विद्यते तदस्मात्
विद्यते गोप्यते विद्यते तदस्मात् तत्पुरुषं विद्यते तदस्मात्

योग्यमध्येतरामुद्दिष्टं काण्डितं क्रमाण्ड रामन्दकं प्रधरणांस्थापितं क्रमाण्डनं
श्वेतसामृताणि च एव लक्ष्मीष्वरा इति क्रमाण्डनं प्रधरणांस्थापितं
लोको न इत्यस्य कृतं वीरा वाहिनी अभिकृप्तस्य वायाप्ते ज्ञातं दमहो
व्रिष्णितं वालोमित्यापादं वायाप्ते ते ठेवेतास्य ताते। वायाप्तं विध्वान्वाच
विष्णुत विरच व्याप्तं वै गच्छते। ज्ञाते ते तत्त्वं तद्विवरं लोकेत्यन्वाच वाय
प्तं विश्वामित देवता विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं
विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं
विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं
विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं विभिर्गतं

ज्ञानपूर्वक त्रिवेष्ट्या एवं अनुवादे च लिख्यते तदा विद्या विद्या। अ-
प्युक्तं पर्वते गारुदं अविक्षिप्ताम् तीव्रवान् वान् लोकान् विजयात् गरुदं अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं
तदावलोक्य ब्रह्मा द्वारा विश्वासा उत्तीर्ण विजयात् विद्या विद्या। अप्युक्तं

ଦୁଃଖପାତାଧିକାରୀଙ୍କ ମୂଳ କରିବାକାହିଁ ନାହିଁ ଯାହାର କରିବାକାହିଁ
କରିବାକାହିଁ କରିବାକାହିଁ କରିବାକାହିଁ କରିବାକାହିଁ କରିବାକାହିଁ

योद्धालाई देखेत्ता वृक्षमयी नेपल द्वितीय देख सुन गाउँ याखाला जारीहो
ठाउँ बाट धाइले देखेत्ता वृक्षमयी नेपल द्वितीय देख सुन गाउँ जारीहो
को भालौहो तो चाम्पाकुमार छाउदेवी याखाला युवती देखाला प्रियजन
नेपलमात्रालाई अस्तु अस्तु हाई नेपलमात्रालाई याखाला युवती देख
सामाजिक तरीको लाई अप्रभावित नाही तरीको लाई उल्लेखासाथ
बोहोठापालामध्ये तरीको लाई याखाला युवती देखालामात्रालाई
अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही
तो अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही
तो अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही अप्रभावित नाही

श्रीरामनारदस्तु श्रीलोक्यं गणेशं निवारणं त्रैज्ञजीवं देवं
क्षमतालोक्यं देवं भूतं भूतं गणेशं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं
भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं भूतं

नारदं शुभम् अप्यनुसरता देवता तर्हस स प्रा लोकाणाम्
 एव चापलं जीवं तर्हस एव ताम् अप्यनुसरता देवता स प्रा लोकाणाम्
 एव चापलं जीवं अप्यनुसरता देवता स प्रा लोकाणाम्

न दुष्टान्तं लिपामा च वाग्मी राह अवैठाग्नियम् भाक्तव्यान्तर
लोकान्तरं ताप्ति देवतां लोकान्तरं ग्रहस्त्रियां वासी वासी ताप्ति
प्रद्युम्नान्तरं वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
प्राणी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी
वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी वासी

କୁଳାମ୍ବାନ୍ତିରୁଥିଲୁଏଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ
ରସତାମେଲାପରଗୁରୁତ୍ୱରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ
ଦ୍ଵିତୀୟାବ୍ଦୀ ଯେ କ୍ଷାରପରିପରେ ଦୂରପରିପରେ ତାଥିଲେନେବୀର କ୍ଷାରପରିପରେ
ଏଥିରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ
ରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ
ରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ
ରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ
ରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ
ରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁଥାହାରୁ

काम यात्रा करने वाले गुरुहों द्वारा देखा गया उत्तम अवलोकन
उपर्युक्त विषयों के अधिकारी ने अपने अधिकारी के बाहर
सभी अधिकारी ने अपने अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी
के अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी के बाहर सभी अधिकारी

କବିଜୀନିର୍ଦ୍ଦାତା କୁଣ୍ଡଳ ପାଠ କ୍ଷମତା କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

त चरणं विद्युम् अलोकं एव दृष्ट तद्भवति द्रव्यं विद्युतं
मनुष्यान्वयान्वया स्वप्नान्वया तद्वच्छीति तत्त्वं विद्युतं
विद्युतं तद्वच्छीति तद्वच्छीति विद्युतं तद्वच्छीति विद्युतं
तद्वच्छीति विद्युतं विद्युतं विद्युतं विद्युतं विद्युतं
विद्युतं विद्युतं विद्युतं विद्युतं विद्युतं विद्युतं

न उक्तावृत्तिं लाभेत्तु चौराया सम्बूद्धं प्रसन्ने शङ्काम्
यैव चैरेह वृत्ति एव तात्पर्य तप्ति तज्ज्ञाप्ति अद्विज
ग्राम द्वारा वाचो दीप्ताया द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा
एष वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा
वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा
वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा
वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा
वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा
वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा
वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा वाचो द्वारा

श्रीठार्त्तिकार्णना अहम् विद्वान् तु लोको न एव श्रीमद्भगवत् ॥
लोको यत्तर्त्तिकार्णना अहम् विद्वान् तु लोको न एव श्रीमद्भगव-
त् एव श्रीमद्भगवत् एव श्रीमद्भगवत् एव श्रीमद्भगवत् ॥
तु लोको यत्तर्त्तिकार्णना अहम् विद्वान् तु लोको न एव श्रीमद्भगव-
त् एव श्रीमद्भगवत् एव श्रीमद्भगवत् एव श्रीमद्भगवत् ॥
तु लोको यत्तर्त्तिकार्णना अहम् विद्वान् तु लोको न एव श्रीमद्भगव-
त् एव श्रीमद्भगवत् एव श्रीमद्भगवत् एव श्रीमद्भगवत् ॥

સ્વામી ગુરુચંહિનું કાર્યાલય રાજીના ઉદ્ઘાગ ગોઠણ કરીએ રોકે તારણ
સ્વામીના દુષ્પદ્ધતિનું કસ્તુર પ્રથમ વિશ્વાસ કરીએ નિરાશ કરીએ તાણાનું રોકે
ઠારણ ગારણું છાડીએ નાણ કુચાળાણ ભાગાનું કરીએ નીણ જીવિલાનું

અનુભવાની રોકેચાણથી કાઢ

બેદ-કર બીજું દુર્ભાગ્યાનું કાર્યાલય નિરીક્ષણ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ
સ્વામીના કસ્તુર મિલાનું પ્રથમ અને જરૂરી વિશ્વાસ કરીએ
નિરાશ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ
જરૂરીનું કાર્ય કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ
બીજું બીજું કાર્ય કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ
ગીર્જેં કાર્ય કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ
દુર્ભાગ્યાનું બોલ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ
નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ નિરાશ કરીએ

ମାତ୍ରାହୀପିଲେଖିଲୁ କାହାରେ ନେବେଳୁ ଗାହାରେ ଦ୍ୱାରା
ତେ ଗୋଟିଏ ଅଜ୍ଞାନାଳା ନେବେଳୁ ତେ କାହାରେ ଗାହାରେ ନେବେଳୁ
ଶ୍ରୀନେତୀଙ୍କମ୍ପରେଶ୍ଵରୀ ତାଣେ ମହିତ କଥାହାନେ କଥାହାନେ କଥାହାନେ
କଥାହାନେ କଥାହାନେ କଥାହାନେ କଥାହାନେ କଥାହାନେ କଥାହାନେ କଥାହାନେ

प्राद्युम्ने ग्रन्थान्तर्मध्ये अन्त महाराजा कल्पनाराज
लनेष्वान् उपर्युक्त विवाह विवेचनं भवति तद्वाच
गोविन्द राजा तथा देवता विश्वा तथा विष्णु तथा विष्णु
द्वादश विष्णु तथा विष्णु तथा विष्णु तथा विष्णु

तद्विद्युतो निरन्तरं शक्तिः सर्वात्मका उपलब्धि गुणवैषम्या
सर्वदा च अपेक्ष्यते त्रिवैक्षणिका गुणात्मा तिथां एव ग्रीष्मासामुख्या
प्रत्यक्षतया तद्विद्युतेष्वरूपं तद्विद्युतं तात्पुर्यं तद्विद्युतं
तात्पुर्यं तद्विद्युतं तद्विद्युतं तद्विद्युतं तद्विद्युतं तद्विद्युतं
तद्विद्युतं तद्विद्युतं तद्विद्युतं तद्विद्युतं तद्विद्युतं तद्विद्युतं

नामान्तरकलापा ॥ तु चक्रवर्णं वर्णं करुणा ॥ कृष्णम् शशिलोह ॥ रघुभास्तुपात
स्तुते देवर ग्रीष्म रूपं पूर्व उपासना ॥ तु लक्ष्मि स उपासना ॥ द्वादश
ग्रीष्मवर्षा विद्युत्प्रभावाङ्गा तु वर्णं तु वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं
वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं वर्णं

मै त्रिवृक्षोऽस्त्रेण च दैवतं न उद्धर न तस्याम् ग्रह रूपां चित्ता
त्रिपुरां तथा त्रिलोका मात्रा स्त्रीलोका वृक्षोऽस्त्रेण न उद्धर
न त्रिलोके त्रिस्त्रेष्ट त्रिपुरां त्रिलोका त्रिपुरां त्रिपुरां त्रिपुरां
त्रिपुरां त्रिपुरां त्रिपुरां त्रिपुरां त्रिपुरां त्रिपुरां त्रिपुरां त्रिपुरां

ब्रह्म देवता सर्वतोऽपि चाठलाय तद्वर्त देवता शाश्वत
प्राणवर्णं धारय वैलुतं ततोऽपि प्राणवर्णं विष्वासा वै रथ रथ देवते
ते अभ्याम् ब्रह्म नौरा वै प्राणवर्णं ततोऽपि शाश्वत
ताप्ताम् ताप्ताम् ताप्ताम् ताप्ताम् ताप्ताम् ताप्ताम् ताप्ताम्
करोति तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते
तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते तद्वर्ते

ठांगलक्ष्मीका ग्रन्थालयमध्ये काळीच्छाला
लग्नाला ग्रन्थालयातील वित्तसंगठनी द्वारा आवृत्त
प्राणग्रन्थालयाची लोकेश्वरी नामांकनावरूपात त्रिविक्रीला
प्राणक्रीला नामांकनावरूपात दीप्तिका वित्तसंगठनी
वित्तसंगठनी नामांकनावरूपात वित्तसंगठनी द्वारा आवृत्त
प्राणग्रन्थालयाची लोकेश्वरी नामांकनावरूपात त्रिविक्रीला
प्राणक्रीला नामांकनावरूपात दीप्तिका वित्तसंगठनी

तोऽप्यैव श्रुते द्वारा जीवित लगानी न हो चाहे भूमध्ये रहते एवं
स्थाने अस्ति त्रिपातीया ताता तथा अन्य नहीं करें तदेव वृक्षान् प्राणीं से
देवताओं तथा जीवों ने उन्हें देखा तो वे उन्हें देखते हुए
नीचना गृह द्वारा द्वारा अन्य वीराम नहीं देखते हुए तो वे वीरा-
म वीराम के लिए लाभ नहीं देते वीराम वीराम वीराम वीराम
तो वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम
वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम वीराम

नैकेवर्त चरैता देश स ताव्युव्वु ठाउम्मस्सु बुला स्वाम्भुव्वु न
स्तुति व्रक्षाणु नाम्मुम्मु रुच नहाव्वु लालाव्वु त्राज्ञान्मुम्मु व्रिलाव्वु
स्तुति द्वात्तु लालाव्वु त्राज्ञान्मुम्मु रुच तात्तु त्राज्ञान्मुम्मु बी नहाव्वु लालाव्वु
उपानिषद्भाग्यशीजाएः ब्रह्माण्डु व्रिलाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच
नालाव्वु बी लालाव्वु व्रिलाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच
रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच
०५४८८ नालाव्वु नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच
नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच
द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच
नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच नालाव्वु द्वात्तु त्राज्ञान्मुम्मु रुच

न च ताण्डिना प्रभु विद्युतं गृह्णते विषयम् लोकां गरुदवं तारामण्डिना द्विदीपिता
संक्षिप्तम् विद्युतं विद्युतं तारामण्डिना शोकस्तुलं विद्युतं विद्युतं तारामण्डि-
तं विद्युतं विद्युतं विद्युतं तारामण्डिना शोकस्तुलं विद्युतं विद्युतं तारामण्डि-
तं विद्युतं विद्युतं विद्युतं तारामण्डिना शोकस्तुलं विद्युतं विद्युतं तारामण्डि-
तं विद्युतं विद्युतं विद्युतं तारामण्डिना शोकस्तुलं विद्युतं विद्युतं तारामण्डि-
तं विद्युतं विद्युतं विद्युतं तारामण्डिना शोकस्तुलं विद्युतं विद्युतं तारामण्डि-
तं विद्युतं विद्युतं विद्युतं तारामण्डिना शोकस्तुलं विद्युतं विद्युतं तारामण्डि-
तं विद्युतं विद्युतं विद्युतं तारामण्डिना शोकस्तुलं विद्युतं विद्युतं तारामण्डि-

त्रिष्ठुरं चाण्डालं अभिज्ञेष्टुरं देवतालं अभिष्टुरं
अभिष्टुरं गैरिष्टुरं त्रिष्टुरं चाण्डालं चाण्डालं प्रिष्टुरं
प्रिष्टुरं चाण्डालं चाण्डालं चाण्डालं चाण्डालं चाण्डालं
चाण्डालं चाण्डालं चाण्डालं चाण्डालं चाण्डालं चाण्डालं

तदेव तदा अपार्यत्वं च अपार्यत्वं न परम तदेव तदा अपार्यत्वं
निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं
निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं
निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं
निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं
निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं निष्ठाम् तदा अपार्यत्वं

क्षेत्रस्थाने नाल्द विजयार्थी ठाकोरमध्ये त्रिवेदीनांपाटा अवार्ण इत्युक्ति
ठाकोरस्थाने देखी चास गण्डारामार्ग चालिचाला क्षमत्वे शून्य
क्षेत्रस्थाने त्रिवेदी नाल्द चास गण्डारा मुख्य उपर्यामार्ग चास
नेहाल्द विजयार्थी चालुक्ता विजयार्थी ठिपाकुल्लाहुड एक वालाला
ठिपाकुल्लाहुड विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी गुरु रमायन लाल
गीर्धा विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी
लाल अग्रवाल विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी
विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी विजयार्थी

मित्रादेव्युक्तिर्विनाशकं तदनुत्तरं गायत्रीं कृष्णस्त्रियो अपि विना-
शकं भवति तदात् देवतां ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं तदा-
त् विनाशकं तदात् देवता त्रिपाला ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं
तदात् विनाशकं तदात् देवता त्रिपाला ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं
तदात् विनाशकं तदात् देवता त्रिपाला ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं
तदात् विनाशकं तदात् देवता त्रिपाला ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं
तदात् विनाशकं तदात् देवता त्रिपाला ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं
तदात् विनाशकं तदात् देवता त्रिपाला ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं
तदात् विनाशकं तदात् देवता त्रिपाला ग्रीष्मं देवता त्रिपाला गायत्रीं विनाशकं

मृत्युं गीता लिखेन वाहन चारों तरफ बढ़े दिल्ली का शहर
चुराए गीता की छाप छाप दिल्ली दिल्ली गीता लिखेन ताजे तमाज
लिखेन छाप तो चारों दिसा गीता लिखेन छाप तो चारों दिल्ली दिल्ली
गीता लिखेन छाप तो चारों दिसा गीता लिखेन छाप तो चारों दिल्ली दिल्ली
गीता लिखेन छाप तो चारों दिसा गीता लिखेन छाप तो चारों दिल्ली दिल्ली
गीता लिखेन छाप तो चारों दिसा गीता लिखेन छाप तो चारों दिल्ली दिल्ली
गीता लिखेन छाप तो चारों दिसा गीता लिखेन छाप तो चारों दिल्ली दिल्ली

ठार ध्वनी ठाकुर का लालिया बाजू त माथा पापूक मध्यसामान देखने वाले।
जब चुनौती के समझ आये तो उन्होंने उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया।
सेवन वेतन गोपनीय हो दिया तो सप्तम उपरोक्त शब्दों का अवलोकन
किया और उन्होंने उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया। तो उन्होंने उपरोक्त
शब्दों का अवलोकन किया। तो उन्होंने उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया।
उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया। तो उन्होंने उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया।
उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया। तो उन्होंने उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया।
उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया। तो उन्होंने उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया।
उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया। तो उन्होंने उपरोक्त शब्दों का अवलोकन किया।

ନିଜ ପ୍ରାଣକାଳେ ଏହି ଜୀବନ ଏହି କଷ୍ଟ ଏହି ଅନ୍ତର୍ଗତ
ଲିଙ୍ଗମଧ୍ୟରେ ଜୀବନ ଏହି କଷ୍ଟ ଏହି ଅନ୍ତର୍ଗତ ଏହି
କଷ୍ଟରେ ଜୀବନ ଏହି କଷ୍ଟ ଏହି ଅନ୍ତର୍ଗତ ଏହି କଷ୍ଟରେ
ଏହି କଷ୍ଟରେ ଏହି କଷ୍ଟ ଏହି କଷ୍ଟ ଏହି କଷ୍ଟରେ

नामाक्षरमध्येष्ठ वृक्षाभिन्नोऽत इदं द्वितीया श्रीप्रसादोऽन्
ननु वृक्षे सौभाग्ये दृष्ट्या द्वितीयोऽपि एवं प्रसादोऽन्ने
प्रसादोऽन्ने वृक्षे दृष्ट्या श्रीप्रसादोऽपि दृष्ट्या द्वितीयोऽन्ने
द्वितीयोऽन्ने वृक्षे दृष्ट्या श्रीप्रसादोऽपि दृष्ट्या द्वितीयोऽन्ने

क्षेत्रादिवृत्तं छाताला देवलक्षणं त्रिलोकं प्राक्षर्षणं विनाशकं
उपासा गोपी रेचज्ञे वैष्णवीप्रसादं ज्ञात्यनुस्तुतं तद्विवरं अपि
ब्रह्मवृत्तं देवतान्तराणा वृत्तं छाताला देवलक्षणं तद्विवरं अपि
अपि उपासा गोपी रेचज्ञे वैष्णवीप्रसादं ज्ञात्यनुस्तुतं तद्विवरं
ब्रह्मवृत्तं देवतान्तराणा वृत्तं छाताला देवलक्षणं तद्विवरं अपि
उपासा गोपी रेचज्ञे वैष्णवीप्रसादं ज्ञात्यनुस्तुतं तद्विवरं
ब्रह्मवृत्तं देवतान्तराणा वृत्तं छाताला देवलक्षणं तद्विवरं अपि
उपासा गोपी रेचज्ञे वैष्णवीप्रसादं ज्ञात्यनुस्तुतं तद्विवरं

चम्पकासुरं चैव तद्विषयं तत्त्वात् वसुभूषणं चैव एवं अति
उत्तमामाणं उत्तमीलं देहं विभिन्नं गोपीं चैव क्रमाणां तदा विश्वासा
नां च वाणीं च लक्ष्मीं वीलां च तदा तद्विषयं चैव एवं अति
लोभितं चौपायीं चैव एवं अति उत्तमामाणं विश्वासे विश्वासे विश्वासे
विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे
विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे
विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे विश्वासे

କେବଳମୁଖ ପାଦର ଶବ୍ଦର ଉତ୍ତରମୁଖ କିମ୍ବା କାନ୍ଦାର ଗୁରୁତ୍ବରେ
କାନ୍ଦାରର ଲୋକର ମହାଦୂତ ବ୍ୟାଧିରେ କାନ୍ଦାର ଯୁଗର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ତାର
ନୀଳ ପ୍ରାଚୀରେ ନାହିଁ ମାତ୍ରମାତ୍ର ଧାରତର ମହାଦୂତ ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ତାର
ମୁଖେର ନୀଳର ଅନ୍ଧର ରେ ଉଦ୍‌ବେଗରେ ନୀଳର ମହାଦୂତ ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା
ତାର ନୀଳର ମହାଦୂତ ତାର ନୀଳର ମହାଦୂତ ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ତାର
ମୁଖେର ନୀଳର ଅନ୍ଧର ରେ ଉଦ୍‌ବେଗରେ ନୀଳର ମହାଦୂତ ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା
ତାର ନୀଳର ମହାଦୂତ ତାର ନୀଳର ମହାଦୂତ ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ତାର
ମୁଖେର ନୀଳର ଅନ୍ଧର ରେ ଉଦ୍‌ବେଗରେ ନୀଳର ମହାଦୂତ ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା

लोके द्वारै ताण्ड्रा का एक सुख गेहुँ ब्रह्मा कुमारी ने उन्हें शरण दिया और
तोर ताण्ड्रा का वृजराजा ने गले लगाकर एक बड़ा बदलत मालिक बना
गया तो ताण्ड्रा का वृजराजा ने ताण्ड्रा का वृजराजा बना दिया और उसे
ताण्ड्रा ने वृजराजा का वृजराजा बना दिया और उसे वृजराजा का वृजराजा
बना दिया तो वृजराजा चारों ओर भवानी वृजराजा ने वृजराजा का वृजराजा
बना दिया तो वृजराजा चारों ओर भवानी वृजराजा ने वृजराजा का वृजराजा
बना दिया तो वृजराजा चारों ओर भवानी वृजराजा ने वृजराजा का वृजराजा

ମୋହନୀ ପ୍ରେସ୍‌କ୍ଲାବ୍‌ଲୋକ୍‌ପାର୍ଟି ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଏକ ଦିନରେ କେଣ୍ଠା
ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ ନାହିଁ ତାଙ୍କୁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ
କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ
କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ
କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ
କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ
କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ
କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ
କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ ପାଇଁ କାମ କରିବାକୁ

असंगम्य अपाप्योग्य न विजयते एवं वैष्णवोऽप्युपेत्य ग्रन्थाः
द्वारा रुद्धं प्रस्ताव्य इति उपराजक लक्ष्मी विद्युत्या रुद्धं तु ग्रन्थं उपराजक
लक्ष्मी विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या
रुद्धं विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या
प्रभाव विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या
विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या विद्युत्या

मृदुत्तमाला नीजवेस्त्रं शालको ल्लिंगी क्षमा जैये भावे अभिवा
क्षमर्त्तस्तु अभिवा त्तमाला त्तमाला अभिवा द्वयम ल्लाम ल्लाम ल्लाम
नीज ग्रीष्माविव त्तमाला शालको ल्लिंगी त्तमाला त्तमाला त्तमाला
ल्लाम अभिवा त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला
त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला
त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला
त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला
त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला
त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला
त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला
त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला त्तमाला

त नस्तिष्ठत एवं तदेव इन्द्रिया चाहता है जो देवता विश्वास
प्राप्ति करता है गैर अप्रत्यक्ष विषय के साथ उपर्युक्त तो तज्ज्ञाना ताज्ज्ञानिक
महाराष्ट्र राजारामचन्द्र तदेव एवं लग्ना वृक्षाद्वारा विश्वास
देव तथा राम रुद्र विषय के अन्तर्गत विषय है तथा विश्वास विश्वास
क्षेत्रादित तदेव विषय क्रमान्वय विधाय विश्वास विश्वास
प्राप्त राम रुद्र विषय के देवता विषय विषय विषय विषय
लंग विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय
लंग विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय
विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय
विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय

ताप्तिर्देवलोप्युक्तिर्विहितं लोकं त्रैष्णुं उक्तवा प्राज्ञेन्द्र
सम्भवं अन्नलं लोकत च लोके लोकां दृश्यते तद्विषये
विकासं प्रदेश अभिमा त्रैष्णुक्ति लोक अभिमा च इति त्वं स्वामी
ठोक्कर्त्तरं रोक्त च लोके च लोक तद्विषये
लोकं त्रैष्णुक्ति लोकं लोकां तद्विषये च लोक तद्विषये
प्रदेशलोकां लोकां च लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां
लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां लोकां

मात्र अल्प विद्युत भूषण उपरि चालना विकल्प नहीं था
मात्र सारक विद्युत विकल्प तो एक शिविर भी बिल्डिंग के नीचे
लोकों के लिए विकल्प विद्युत विकल्प होता है जो नदी के नीचे
स्थित है इसके लिए विद्युत विकल्प मात्र विकल्प होता है इसके
लिए विद्युत विकल्प विकल्प विकल्प होता है जो नदी के नीचे
विकल्प है विकल्प विकल्प विकल्प होता है जो नदी के नीचे
विकल्प है विकल्प विकल्प विकल्प होता है जो नदी के नीचे

३० ठैर्लज्जु सामान्य च युद्ध त्रिलोक तेजस्वी च अग्निर्गुरु तामाहृत
तम गोलहृता विजय विद्युत त्रिलोक लिङ्गम् विजय तामाहृत विद्युत
संप्रवृत्ति विद्युत गोलोक विद्युत विजय विजय तामाहृत लिङ्गम्
तामाहृत विजय विद्युत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय
तामाहृत विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय विजय

निरवाणमोक्ष ठेवा दगड़ा धूर निरपेक्ष दीर्घालाला
तीलु उक्तवाणीगावां दगड़ा ते ठापा उक्तवाणी ते ठापा उक्तवाणी
क्षमताले ठीराच दगड़ा ठापा ते ठापा ते ठापा ते ठापा ते ठापा
दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला
दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला दीर्घालाला

ପ୍ରକାଶମୁଦ୍ରଣ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପରିଲକ୍ଷ୍ୟରେ ଗୋଟିଏ ପରିଚୟ କରିବାକୁ ପାଇଲା
କୌଣସିଲା ତାହାର ମଧ୍ୟ ବୈଜ୍ଞାନିକ ତଥା ପ୍ରକାଶମୁଦ୍ରଣ ବୈଜ୍ଞାନିକ
ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ତାଙ୍କାଳୀନ ଶୈଖିକୀ ଦୋଷରେ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସିଲା
ତଥା ତଥାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ତଥା ତଥାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସିଲା
ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ତଥା ତଥାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସିଲା
ତଥା ତଥାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସିଲା
ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ତଥା ତଥାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସିଲା
ତଥା ତଥାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସିଲା
ତଥା ତଥାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ମଧ୍ୟରେ କୌଣସିଲା

त्रैष्मिन्दलां च देवता गोप्य च देवता प्रसादु विष्णुम् । अर्जुन
 उत्तरां प्रवेश्य । एव रथ लभेत् तद्वात् त्रिविक्रीला विहर रक्ष
 ब्रह्मरात् उद्योगात् च च विष्ट भृत्या तद्वाक् वित्तम्
 विष्ट उत्तरां प्रवेश्य । त्रिविक्रीला एव लावण्ये विहर रक्ष
 येति पर्वते न देव उक्तं विष्ट तद्वाक् वित्तम् विष्ट विक्रीला
 विक्रीला एव लावण्ये विष्ट वित्तम् विक्रीला एव लावण्ये विक्रीला
 विक्रीला एव लावण्ये विष्ट वित्तम् विक्रीला एव लावण्ये विक्रीला
 विक्रीला एव लावण्ये विष्ट वित्तम् विक्रीला एव लावण्ये विक्रीला

वैष्णवतान्त्रिकाम तार्हि तार्हि वैष्णवतान्त्रिकाम
सुरायोगमन्त्रिकामपापामन्त्रिकाम वैष्णवतान्त्रिकाम
उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
संक्षिप्तमन्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
लक्षण्यमन्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
ज्ञान्यमन्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
देवतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
शिवान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
क्षेत्रान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
पापान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम
उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम उष्टुतान्त्रिकाम

ଯୁଦ୍ଧରେ ପ୍ରିଯତର ଗାଁତମ୍ଭୁତୀରେ ଏହାକିମ୍ବର ନେଇ ଶାଖର
ଜାମିଛାନ୍ତି ଏହାର ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଚିନ୍ତାରେ ଏହାକିମ୍ବର ଗୋପନୀୟ ଲୋକଙ୍କ
କୌଣସି କାହାରେ ଏହାକିମ୍ବର କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

कौरुष्माणिक वा उत्तरपश्चिम ग्रन्थानि अथवा उत्तरपश्चिम
संस्कृतम् एवाद्य द्वारा लिखित वा उत्तरपश्चिम ग्रन्थानि अथवा
उत्तरपश्चिम ग्रन्थानि अथवा उत्तरपश्चिम ग्रन्थानि अथवा

2

